मनायाञ्चिन् (मनस् + या) adj. den Sinn gesangen nehmend, — hinreissend MBH. 13,1403. सर्वभूत R. 5,44,8.

मनायाक्य (मनस् + याक्य) 1) adj. mit dem Sinne zu fassen: मुर्छ द्वःख-मिच्छा देषा मति: कृति: Вызыйр. 56. — 2) den Sinn gefangen nehmend, — hinreissend: शब्दा: MBu. 7,3015.

मनाज (मनस् + 1. ज) m. = मनासिज Geschlechtsliebe, der Liebesgott Spr. 2628. 505.

मनोजन्मन् (मनस् + ज °) m. der Liebesgott TRIK. 1,1,39.

1. मनोजर्व (मनस् + जव) m. Eile —, Raschheit des Gedankens RV. 10,71,7. ÇAT. BR. 2,4,8,2. व्हत्सु ऋत्मिनोजव: प्रविष्ट: 3,3,4,7.7,4,27.

2. मैनाजव (wie eben) 1) adj. f. म्रा a) gedankenschnell: die Rosse der Acvin RV. 6,62,3. त्रा MBH. 1,4148. 3,2290. Kam. Nitis. 16,8. Mark. P. 21, 8. विमानं कुंसयृक्तम् MBs. 13, 869. स्पन्दन R. 2, 82, 25. गति R. Gora. 1,77,48. श्रक्स्स् विक्रानेन यथाकामं मनोजवा MBн. 1,6059. 6071. 2,146. 5,1772. Внас. Р. 8,21,8. 9,5,6. Çiva Çıv. °त्रवम् adv. R. 1,76, 15. — b) dem Vater ähnlich AK. 3,1,13. H. 488, Sch.; vgl. मनाजवस. - 2) m. N. pr. a) eines Sohnes des Anila (Windes) MBH. 1,2589. HA-RIV. 136. VP. 120. — b) eines Sohnes des Rudra Îçâna VP. 59. Mârk. P. 52,11. - c) Indra's im 6ten Manvantara VP. 263. Mark. P. 76, 53. - d) eines Sohnes des Medhätithi und eines nach ihm benannten Varsha Buag. P. 5,20,25. — e) eines fabelhaften Rosses Hall in der Einl. zu Väsavad. 40. — 3) f. 知 a) N. einer der sieben Flammenzungen Mund. Up. 1,2,4. Grhjasamgr. 1,14. Mark. P. 99,54. — b) eine best. Pflanze, = श्रामाञ्चल Garadu. im ÇKDn. - c) N. pr. einer der Mütter im Gefolge Skanda's MBH. 9, 2634 (দক্তারনা ed. Calc.). — 4) wohl n. N. pr. eines heiligen Badeplatzes МВн. 3,6063.

ਸੰਜੀਤਾਬਜ਼ (ਸ਼ਜਸ਼ + ਤਾਂ) adj. gedankenschnell: ਦਾ RV. 1,117,15. 5, 77,3. 6,63,7. 7,68,3. Vogel 4,26,5. 8,89,8. TS. 2,4,7,1. der Wind TBa. 2,7,7,6. — RV. 1,163,9. 8,22,16. Bez. des Jama (nach Маніон.) VS. 5,11. — Сат. Ba. 10,6,3,2.

मनाजवस (wie eben) adj. dem Vater ähnlich H. 488. — Vgl. 2. मना-जव 1, b.

मनाज्ञविन् (मनस् + ज॰ oder von 1. मनाज्ञव) adj. gedankenschnell; davon nom. abstr. ॰जवित्व n. Verz. d. Oxf. H. 231, b, 23.

मनाजवृद्धि (म॰ + वृ॰) m. ein best. Strauch, = कामवृद्धि Right. मनाजात (मनस् + जात) adj. im Sinn geboren, geistentsprungen VS. 4,11. Çat. Br. 3,2,2,13.

मनाजिप्र (मनम् + जि॰) adj. Jmdes Gedanken witternd, — errathend Sau. D. 45,7.

मनोर्जू (मनस् + 2. जू) adj. gedankenschnell RV. 1,23,3. die Marut 85,4. Wagen 1,119,1. Rosse 181,2. 186,5. 6,22,6. 10,81,7.

मनोज्ञ (मनस् + 1. ज्ञ) 1) adj. f. श्रा dem Sinn entsprechend, schön, reizend AK. 3,2,2. 3,4,19,134. Таік. 3,1,13. Н. 1443. Р. 5,1,133. पे-पानि MBH. 4,403. श्रश्तन Suça. 1,241,10. गायित मुकुमाराणि मनोज्ञानि R. 1,9,48. ह्रप 52. 36,14. 2,56,13,a. 32. पट्टान RAGH. 3,7. नेष 6,1. नहा Rr. 3,1. 6,25. Çåk. 19. Spr. 620. 2391. Varåh. Bah. S. 48,5. Mårk. P. 63,1. Валема-Р. in LA. (II) 52,4. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6,508, Çl. 33. मुकानिज्ञन efallend Çaur. 38. श्र Âçv. Gah. 3,6,5.7.

10,9. Verhalten eines sem. vor मनाज्ञा in einem adj. comp. gaṇa प्रियादि zu P. 6,3,34. Vop. 6,13. — 2) m. N. pr. eines Gandharva Lot. de la b. l. 3. — 3) s. आ a) = मनःशिला rother Arsenik Ratnam. im ÇKDR. Suça. 2,332,5. — b) N. verschiedener Psianzen: = जन्ध्यानिका-टिकी, आवर्तको, स्यूलशीरक und जाती Riéan. im ÇKDR. — c) ein berauschendes Getränk Riéan. — d) Königstochter Garadh. im ÇKDR. — 4) n. das Holz der Pinus longifolia Ratnam. 144. — Vgl. मानाज्ञ.

मनाज्ञचाष (म॰ 4 चोष) m. N. pr. eines Mannes, Vie de Hiouen-Theang 74. मनाज्ञता (von मनोज्ञ) f. reizendes Wesen, Schönheit Spr. 5020.

मनोज्ञशब्दाभिगर्जित (म॰ - शब्द + म्र॰) m. N. eines Kalpa Lot. de la b. l. 131.

मनाज्ञस्वर (म° + स्वर्) m. N. pr. eines Gandharva Lot. de la b. l. 3. मनात्र und मनात्र (von मन्, मनु-ते) = मत्र , welches erst in den Brahmana austritt und selten ist. 1) Ersinner, Ersinder: लं शुक्रास्य वर्चिमा मनाता हुए। क्रांची प्रथमी मनाता हुए। क्रांची प्रथमी मनाता हुए। क्रांची इसमें ही ती 6,1,1. मनीवी वक्का रह्ये यहाजी हिया मनाता प्रथमा मनीवी 9,91,1. – 2) Walter, Schalter; die Acvin heissen: मनात्र (= मत्तरि, दानारि। Sâl.) रयीणाम् हुए. 8,8,12. धुवा द्शां विस्तुपत्न्यवीरास्पेशीना सर्वनी या मनाती (für das sem.) TS. 4,4,12,5.

मनाता (nom. des vorigen, als fem. gefasst) f. 1) das Lied RV. 6, 1, welches das Wort मनाता (s. मनातर) enthält und beim Thieropfer gebraucht wird: मनातामन्वाङ् Çâñkh. Br. 10, 6. ्म् ह्र Çr. 5, 19, 14. 6, 11, 16. मनातादीलात प्रमुक्तम 8, 1, 9. 14, 10, 21. Âçv. Çr. 3, 1. 4. 5, 17. — 2) die Gottheit, für welche das unter Aufsagung jenes Liedes Dargebrachte bestimmt ist; nach Auffassung der Brâhmana Agni (resp. Vak und Go). TS. 6, 3, 10, 3. Air. Br. 2, 10. Çat. Br. 3, 8, 2, 14. 4, 5, 2, 8. Çâñkh. Br. 10, 6. Kâtı. Çr. 6, 8, 9. 8, 8, 40.

मनोद्राउ s. u. द्राउ 12. am Ende.

मनादान्तिन् (मनम् + दाः) m. der Liebesgott H. ç. 78.

मनाइष्ट (मनस् + इष्ट) adj. durch schlechte Gedanken verunreinigt M. 3, 108.

मनाधातु (मनस् + धातु) s. Burn. Intr. 449. Lot. de la b. l. 513. Vie de Hiouen-theang 345.

मनार्थृत् (मनस् + धृत्) adj. besonnen, verständig: मनाधृतः सुकृतस्त-तत् बाम् RV. 3,38,2.

मनाऽनवस्थान (मनस् + म्रनः) a. Unaufmerksamkeit, Zerstreutheit Samkhjak. 7.

मनानाश (मनस् + 1. नाश) m. das Verschwinden des Sinnes Verz. d. B. H. No. 645. — Vgl. मनोत्तप.

मनाऽनुग (मनस् + श्रः) 1) adj. f. श्रा dem Sinne zusagend, erfreulich, angenehm MBH. 6,491 (wo mit der ed. Bomb. ंगम् zu lesen ist). Hariv. 1506. प्रियमांबेद्धियामि भन्नता यन्मनाऽनुगम् 9844. 9956. Verz. d. Oxf. H. 33, a, 22. — 2) m. N. pr. einer Gegend MBH. 6, 462. — Vgl. व्हृद्यानुग.

मनाऽपक्तारिन् (मनस् + म्र) adj. den Sinn mit sich fortreissend, herzraubend, erfreulich: वाच् Spr. 4467 (Conj.).

मनाभव (मनस् + भव) 1) adj. im Sinne —, im Geiste entstanden, ein Gebilde der Phantasie seiend Bulg. P. 6,15,24. — 2) m. Liebe (Gegen-